>

Title: Regarding repair of N.H.29 in Eastern Uttar Pradesh and Ram Janaki Marg between Ayodhya in Uttar Pradesh and Janakpur in Bihar.

श्री कमलेश पासवान (बांसगांव): मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में एनएच-29 सड़क जो सारनाथ से गोरखपुर होते हुए लुंबिनी व कुशीनगर को जाती है तथा यह सड़क इलाहाबाद सहित कई महत्वपूर्ण बौद्ध स्थलों एवं व्यवसायिक केंद्रों को भी जोड़ती है। वर्तमान समय में यह सड़क काफी जर्जर व गढ्ढा युक्त हो गयी है, कहीं-कहीं तो यह सड़क 5-5 फीट लंबे चौड़े गढ्ढे में तब्दील हो गयी है। खराब सड़क होने के कारण आये दिन दुर्घटना व रास्ता जाम लगा रहता है। पिछले साल 31 मार्च 2012 को तत्कालीन राज्य मंत्री जितिन प्रसाद द्वारा गोरखपुर बाईपास के उद्घाटन के समय हमने जनहित के इस मांग को उनके सामने रखा तथा लिखित ज्ञापन भी दिया जिस पर माननीय मंत्री जी ने सार्वजनिक मंच से घोषणा की थी की एनएच-29 को तीन महीनों के अंदर 4 लेन में बदलने का कार्य शुरू हो जायेगा परंतु खेद की बात है कि 4 लेन में बदलना तो दूर की बात रही एक साल बीत जाने के बाद इस सड़क पर मरम्मत का कार्य तक नहीं किया गया। विगत 28 फरवरी 2013 को हजारों लोगों ने बड़हलगंज के पटना तिराहे पर सड़क ठीक कराने को लेकर कई घंटों तक सड़क जाम किया था। हमारी मौजूदगी के मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि कल से ही मरम्मत कार्य शुरू हो जायेगा, परंतु आज तक कोई मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ।

इसी तरह रामजानकी मार्ग अयोध्या से लेकर बड़हलगंज, बरहज, मैहरौना होते हुए बिहार के जनकपुर तक जाता है, जो ऐतिहासिक, धार्मिक महत्व के साथ व्यवसायिक व आम जनता के आवागमन का प्रमुख मार्ग है। यह मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। कुछ जगहों पर कार्य तो प्रारंभ हुआ था किंतु वर्तमान समय में बंद पड़ा हुआ है।

मैं केंद्र सरकार से माँग करता हूँ कि उक्त दोनों सड़कों एनए- 29 व रामजानकी मार्ग को अविलंब आर्थिक सहयोग देकर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए जिससे जनहित में आये दिन हो रही दुर्घटना व जाम को टाला जा सके।